Marking Scheme

BSEH Model Paper (2024-25)

CLASS: 10th (Secondary) (Maximum Marks: 20) **Code: A**

हिंदुस्तानी संगीत तबला

(Hindustani Music Tabla) Percussion InstrumentD

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Section (1) Objective type questions

(01 X 05 = 05)

....

प्र01 निम्न में से 12 मात्राओं की ताल कौन–सी है? **01**

उ0 **(D) A** और **B** दोनों

प्र02 ताल देने के लिए किन वादयों का प्रयोग किया जाता है? **01**

उ0 **(D)** उक्त तीनों सही है।

प्र0 3 गायन, वादन और नृत्य की किया में जो समय लगता है उसकी गति को मापने के पैमाने को .... कहते हैं। **01**

उ0 ताल

प्र0 4 अभिकथन **(A):** ताल को विभिन्न विभागों में बांटा जाता है। **01**

कारण **(R):** कहरवा ताल में 8 मात्राएं होती है।

उ0 **(B) A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या नहीं है।

प्र0 5 शुद्ध राग का एक उदाहरण दें? **01**

उ0 विलावल, कल्याण आदि।

खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (2) Very short answer type questions

(02 X 02 = 04)

....

प्र0 6 छायालंग तथा सकीर्ण राग का एक उदाहरण दें ? **02**

उ0 तिलक कामोद **तथा** पीलू, भैरवी।

प्र0 7 सम तथा खाली का चिह्न लिखें? **02**

उ0 सम X तथा खाली का चिह्न 0 है।

(अथवा)

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(OR)

प्र0 8 विभाग तथा ताली का चिह्न लिखें। **02**

उ0 विभाग का चिह्न (|) है तथा ताली का चिह्न 2,3,4,5 है।

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (3) short answer type questions

(03 X 02 = 06)

प्र0 9 तबले के अगों को चित्र सहित वर्णन करें। **03**

उ0 तबले के दो रूप होते है – दाहिना और बायां। दाहिनें तबला जो लकडी का खोखला बना होता है तथा जिस पर खाल मढ़ी होती है। दूसरा बाया तबला या डुग्गी जो मिट्‌टी अथवा किसी धातु का बना होता है। इस पर भी खाल मढ़ी होती है। दोनों तबलों के विभिन्न अगों को जैसे दाया व बायां किससे बना होता है तथा इसमें पूडी, स्याही, चांटी, मैदान, गजरा, गट्‌टे, बद्धी, गुडरी आदि बारे चित्र सहित विवरण देने पर पूरे अंक दिये जायेगें।

प्र0 10 मोहरा की परिभाषा दें? **03**

उ0 मोहरा – मोहरा और मुखडा मेंकेवल स्थान भेद है। तबला वादन में ठेका प्रांरभ करने से पूर्व जिस रचना को बजाकर सम पर आते है उसे मोहरा कहते है। यदि ठेका बजाने के बाद या बीच से 9वी या 13वी मात्रा से बजाकर सम पर आते है तो उसे मुखडा कहते है।

(अथवा)

प्र011 अल्ला रखा खां के जीवन परिचय बारे वर्णन करें। **03**

उ0 उस्ताद अल्ला रक्खा का जन्म 29 अप्रैल 1919 में फगवाल ग्राम आज का जिला सांबा में जम्मू में हुआ था। उनकी मातृभाषा डोगरी थी। यह एक भारतीय तबला वादक थे। वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में विशिष्ट स्थान रखते थे। वह सितार वादक रवि शंकर के लगातार संगतकार थे। उनके पुत्र जाकिर हुसैन एक प्रख्यात तबला वादक है। इन्होनें अपना करियर लाहौर में एक सहयोगी के रूप में किया और फिर 1940 में बॉम्बे में ऑल इंडिया रेडियो के एक कर्मचारी के रूप में कार्य किया। इसके बाद उन्होनें कुछ हिंदी फिल्मों के लिए भी संगीत तैयार किया। इनके तीन बेटे थे– जाकिर हुसैन, फ़ज़ल कुरैशी, तौफीक कुरेशी और दो बेटीया थी। इनको पद्‌म श्री, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार आदि से भी सम्मानित किया गया। आखिर में उनका निधन 03 फरवरी 2000 को सिमला हाउस में दिल का दौरा पड़ने पर हो गया।

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (4) Long answer type questions

(05 X 01 = 05)

---

collegedunia
India's largest Student Review Platform

प्र0 12 उतर और दक्षिणी भारतीय संगीत स्वरलिपि की विभिन्नता तथा समानता बारे लिखें। **05**

उ0 उतर और दक्षिणी भारतीय संगीत स्वरलिपि में निम्नलिखित विभिन्नताएं है–

1. दोनों के मद्रं सप्तक के स्वर तो एक जैसे है परन्तु उनके लिखने के चिहन अलग–अलग है जैसे उतर भारतीय संगीत में मद्रं सप्तक में नीचे बिन्दु लगती है जबकि दक्षिणी भारतीय संगीत में स्वरों के ऊपर बिन्दु लगाई जाती है।
2. दोनों स्वरलिपियों में से उतरी भारतीय संगीत में तार सप्तक के स्वरों के उपर बिन्दु लगती है जबकि दक्षिणी संगीत में स्वरों के नीचे हलन्त लगाया जाता है।
3. ताल में सम के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में काटे का निशान लगाया जाता है जबकि दक्षिणी संगीत में एक लिखा जाता है।
4. ताल में खाली के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में शून्य का निशान लगाया जाता है जबकि दक्षिणी संगीत में जमा अर्थात प्लस का चिहन लिखा जाता है।

उतर और दक्षिणी भारतीय संगीतस्वरलिपि की समानता बारे लिखें ।

उतर और दक्षिणी भारतीय संगीत स्वरलिपि में निम्नलिखित समानताएं है–

1. **उतर और दक्षिणी भारतीय संगीतस्वरलिपि** दोनों के मध्य सप्तक के स्वर एक जैसे है इसमें दोनों कोई चिहन नही लगाते।
2. दोनों स्वरलिपियों में से उतरी भारतीय संगीत में मींड का चिहन स्वरों के उपर उल्टा अद्धचंद्र लगते है।
3. ताल में विभाग के लिए उतर भारतीय संगीत और दक्षिणी संगीत में में एक खडी लम्बी रेखा का निशान लगाया जाता है।
4. ताल में मात्राओं के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में और दक्षिणी संगीत में भी कोई विभिन्नता नही है। दोनों एक जैसे गिनती में एक से शुरू करते है।

(अथवा)

(OR)

प्र0 13 चौताल का एक व दो गुन लिखें।

चौताल का एक गुन

चिहन	X		0		2		0		3		4	
मात्राएं	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बेल	धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन

चौताल का दो गुन

चिहन	X		0		2		0		3		4	
मात्राएं	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बेल	धाधा	दिंता	किटधा	दिंता	तिटकत	गदिगन	धाधा	दिंता	किटधा	दिंता	तिटकत	गदिगन

नोट – दो गुन में सभी दो दो बोलो के नीचे अर्द्धचंद्र।

collegedunia
India's largest Student Review Platform